हाईकोर्ट के आदेश से खत्म हुआ 15 वर्ष का विवाद

▶ प्रशासनिक निगरानी में राठौर समाज ने चुनी नई कार्यकारिणी

नवभारत न्यूज़

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा में शनिवार का दिन राठौर समाज के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। करीब डेढ़ दशक से चले आ रहे विवाद और संगठनात्मक ठहराव का अंत करते हुए 'राठौर सकल पंच ट्रस्ट' के चुनाव जिला प्रशासन की सख्त निगरानी में सफलता पूर्वक संपन्न कराए गए। यह प्रक्रिया समाज के लिए केवल चुनाव नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों की पुनर्स्थापना के रूप में देखी जा रही है।

जानकारी के अनुसार, ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और गठन को लेकर वर्षों से विवाद बना हुआ था, जिसके चलते मामला न्यायालय में विचाराधीन था। इस दौरान समाज का एक बड़ा वर्ग निर्णय प्रक्रिया से दूर रहा। अंततः माननीय हाईकोर्ट ने रीट पिटीशन क्रमांक 3614 पर सुनवाई करते हुए पूर्व नियुक्तियों को निरस्त किया और एसडीएम को 60 दिनों के भीतर पारदर्शी चुनाव कराने के निर्देश दिए। इसी आदेश के पालन में प्रशासन ने पूरी चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया।शनिवार को स्थानीय एसएन कॉलेज परिसर में सुबह से ही मतदान को लेकर उत्साह का माहौल रहा।

चुनाव के लिए प्रशासनिक स्तर पर पुख्ता इंतजाम किए गए थे- मतदान केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था, मतदाता सूची का सत्यापन और पारदर्शी मतगणना सुनिश्चित की गई। ट्रस्ट के 13 पदों के लिए करीब 32 उम्मीदवार मैदान में थे। कुल 456 पंजीकृत मतदाताओं में से 272 ने अपने मताधिकार का उपयोग कर बदलाव के पक्ष में मतदान किया। चुनाव का सबसे रोमांचक मोड़ उस समय आया जब दो पदों पर प्रत्याशियों को बराबर मत प्राप्त हुए। प्रशासन की उपस्थिति में लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से परिणाम घोषित किया गया। इसमें सुरेशचंद्र राठौर ने गोविंद प्रसाद राठौर को पराजित किया, जबकि महेश राठौर (एडवोकेट) ने कमलेश राठौर को हराकर जीत दर्ज की।

परिणाम घोषित होते ही परिसर में उत्सव जैसा माहौल बन गया। ढोल-नगाड़ों और जयकारों के बीच विजयी उम्मीदवारों का स्वागत किया गया। समाजजनों ने इसे एक नई शुरुआत बताते हुए उम्मीद जताई कि अब संगठन में पारदर्शिता और सहभागिता बढ़ेगी।

नई कार्यकारिणी के सामने कई महत्वपूर्ण चुनौतियां और जिम्मेदारियां हैं। लंबे समय से लंबित सामाजिक गतिविधियों को पुनः प्रारंभ करना, समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की सहायता सुनिश्चित करना, तथा वीर दुर्गादास राठौड़ जयंती जैसे आयोजनों को फिर से शुरू करना प्राथमिकता में रहेगा। साथ ही, भविष्य में नियमित और समयबद्ध चुनाव कराना भी एक अहम दायित्व होगा, ताकि संगठन में लोकतांत्रिक व्यवस्था बनी रहे।

निर्वाचित सदस्य

1. रमेश चंद्र राठौर, 2. बद्री प्रसाद राठौर, 3. सुरेश राठौर, 4. महेश राठौर (एडवोकेट), 5. प्रमोद राठौर, 6. दीपेंद्र राठौर, 7. अशोक राठौर, 8. राहुल राठौर, 9. दीपक राठौर, 11. संदीप राठौर, 12. अमित राठौर, 13. सुभाष राठौर, 12 विजय राठौर

उद्योगपति उबेजा को अमेरिका यूनिवर्सिटी से मानद पीएचडी का प्रस्ताव

नवभारत न्यूज

खंडवा। जिले के उद्योगपति एवं समाजसेवी गुरमीत सिंह उबेजा को अमेरिका के मैरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी, गैथर्सबर्ग द्वारा उद्योग एवं सामाजिक कार्य के क्षेत्र में मानद (ऑनोरिस कॉज़ा) पीएचडी से सम्मानित किए जाने के लिए चयनित किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी पत्र में उनके औद्योगिक और सामाजिक योगदान को देखते हुए यह प्रस्ताव दिया गया है।

विश्वविद्यालय के डॉक्टोरल मॉनिटरिंग बोर्ड के अनुसार, यह सम्मान उन्हें समाज और राष्ट्र निर्माण में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया जाएगा। उन्हें 19 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित दीक्षांत समारोह में आमंत्रित किया गया है, जहां अंतिम पुष्टि के बाद स्वर्ण पदक सहित उपाधि प्रदान की जाएगी।गौरतलब है कि उबेजा ईस्ट निमाड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। उनके कार्यकाल में जिले के उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गईं, जिससे संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। वे शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय हैं।

10वीं बोर्ड में एंजल्स प्लेनेट स्कूल के सितारे चमके, टॉपर्स ने रचा नया रिकॉर्ड

नवभारत न्यूज़

खंडवा। हरसूद रोड स्थित एंजल्स प्लेनेट स्कूल ने सीबीएसई कक्षा 10वीं परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम दर्ज करते हुए शहर में अपनी शैक्षणिक पहचान को और मजबूत किया है। इस वर्ष भी विद्यार्थियों ने उच्च अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। टॉपर्स में दिव्यानी सोनी ने 94.8% अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। मन्मय संतवानी (94%), रक्षित जैन (93%), यशराज कुमार (93%) और वरद सोनी (90.6%) ने भी शानदार प्रदर्शन किया। अन्य सफल विद्यार्थियों में साक्षी सोलंकी (88.6%), जय पटेल (88.2%), प्रीतांशी जायसवाल (86.2%), अंशुल सोनी (85%), साक्षी गुरुबक्शानी (84.6%), नव्या यदुवंशी (84.4%), देवेश राय (83%), पलक मौर्य (81.8%) और सुशांत घुले (81.4%) शामिल रहे। विद्यार्थियों की सफलता पर विद्यालय में भव्य समारोह आयोजित किया गया। ऑडिटोरियम को सजाकर मेधावी छात्रों को टॉपर बैच पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों, अभिभावकों और प्रबंधन ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रबंधक रितेश गोयल सहित प्रबंधन टीम एवं प्राचार्या डोना ईम्स ने विद्यार्थियों की मेहनत की सराहना की। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों और अभिभावकों को देते हुए आगे भी बेहतर प्रदर्शन का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 106 जोड़े बंधे परिणय बंधन में ...

नवभारत न्यूज़

खंडवा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के अंतर्गत आज शहर में सामाजिक समरसता और पर्यावरण संरक्षण का एक अनूठा संगम देखने को मिला, जहाँ कुल 106 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। इस भव्य आयोजन के लिए शहर में दो अलग-अलग स्थल निर्धारित किए गए थे, ताकि सभी धार्मिक रीति-रिवाजों का विधि-विधान से पालन किया जा सके। माँ नवचंडी ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह के दौरान 92 हिंदू जोड़ों का विवाह पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के बीच संपन्न कराया गया, जबकि गुलमोहर कॉलोनी में आयोजित निकाह कार्यक्रम में शहर काजी ने 14 मुस्लिम जोड़ों का निकाह पढ़ाया।

इस अवसर पर शहर की प्रमुख हस्तियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर नव-दम्पत्तियों को उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में महापौर अमृता अमर यादव, जिला अध्यक्ष राजपाल तोमर और निगम अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा सहित पूर्व विधायक देवेंद्र वर्मा एवं आशीष शर्मा शामिल हुए। प्रशासनिक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए निगम आयुक्त प्रियंका रजावत और उपायुक्त एसआर सितोले स्वयं आयोजन की कमान संभाले हुए थे। सरकार की कल्याणकारी योजना के लाभ के रूप में प्रत्येक नव-विवाहित जोड़े को 49 हजार रुपये की आर्थिक सहायता का सांकेतिक चेक प्रदान किया गया, ताकि वे अपने नए जीवन की शुरुआत सुगमता से कर सकें। इस पूरे आयोजन की सबसे प्रशंसनीय कड़ी इसका जीरो वेस्ट मॉडल रहा। नगर निगम ने स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए इस बड़े आयोजन में कचरा प्रबंधन का विशेष ध्यान रखा और इसे शून्य अपशिष्ट कार्यक्रम के रूप में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया। नवाचार की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए प्रशासन ने उन जोड़ों को विशेष रूप से सम्मानित किया जो अपने घरों में कचरे से खाद बनाने यानी होम कम्पोस्टिंग की प्रक्रिया से जुड़े हुए हैं। इन्हें हीरोज ऑफ होम कम्पोस्टिंग का खिताब देकर समाज में स्वच्छता का संदेश प्रसारित किया गया। निकाह के कार्यक्रम में कादरी जी और असलम गौरी जैसे गणमान्य नागरिकों ने भी शिरकत की, जिससे यह पूरा आयोजन एक उत्सव के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक एकता की मिसाल बन गया।

प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन को सामूहिक सुना

खंडवा। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' आत्मनिर्भर भारत, भारत पूर्णतः विकसित हो, युवा शक्ति पर नवाचार के साथ अन्य विषयों पर राष्ट्र के नाम दिए गए संबोधन को सुना। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम, महिलाएं सशक्त हो महिला सुरक्षा के साथ ही महिलाओं की देश में बढती भूमिका को राष्ट्रीय की प्रगति के लिए आवश्यक बताया, युवा शक्ति पर नवाचार को लेकर उन्होंने युवाओं को विकसित भारत 2047 का स्तंभ बताया, भारत दुनिया की समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनकर उभर रहा है, महत्वपूर्ण रूप से लोकल फॉर ग्लोबल की सोच, पर्यावरण, सामाजिक एकता पर बल दिया गया। अपने उद्बोधन में भावुक होकर प्रधानमंत्री मोदी जी ने सभी मातृशक्ति से महिला आरक्षण अधिनियम पास न होने के कारण सभी से क्षमा मांगी। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री के संदेश कार्यक्रम को सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ ग्राम डुल्हार में बैठकर देखा। भाजपा कार्यालय में जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर, विधायक कंचन मुकेश तनवे, महापौर अमृता अमर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी सुदेश वानखेडे के साथ धर्मेंद्र बजाज, हरीश कोटवाले, राजेश तिवारी, सुनील जैन, प्रियांशु चौरे, वरुण भावरे, भारत पटेल अन्य जनप्रतिनिधि पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने सुना।

बिना पंचांग-मुहूर्त शुभ कार्य करने का पर्व है अक्षय तृतीया

नवभारत न्यूज

खंडवा। अक्षय तृतीया पर शहर में धार्मिक आस्था और सेवा कार्यों का संगम देखने को मिला। इस शुभ दिन बिना पंचांग और मुहूर्त के भी हर कार्य को शुभ माना जाता है। इसी कड़ी में जनप्रतिनिधियों और समाजजनों ने श्री गणेश गौशाला पहुंचकर गौ माता का पूजन किया और गोग्रास खिलाया।

पूर्व निमाड़ सामाजिक सांस्कृतिक सेवा समिति के संयोजक आशीष चटकेले एवं उनके साथियों द्वारा नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के जन्मदिन को सेवा और दान-पुण्य के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर, महापौर अमृता यादव और विधायक कंचन तनवे सहित अन्य श्रद्धालु गौशाला पहुंचे।कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने गौ माता की पूजा-अर्चना कर प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। साथ ही जिलेवासियों को अक्षय तृतीया की शुभकामनाएं देते हुए इसे दान और सेवा का पर्व बताया।समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि अक्षय तृतीया का अर्थ है जिसका कभी क्षय न हो, इस दिन किए गए दान और पुण्य का फल अनंत काल तक मिलता है। इस दिन बड़ी संख्या में विवाह और सामूहिक विवाह भी आयोजित होते हैं। संयोजक आशीष चटकेले ने बताया कि हर वर्ष मंत्री विजयवर्गीय का जन्मदिन उनकी इच्छा अनुसार सेवा कार्यों के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर गौशाला के लिए दान राशि भी प्रदान की गई।कार्यक्रम में रामचंद्र मौर्य, हरीश कोटवाले, सेवादास पटेल, दिनेश पालीवाल, त्रिलोक पटेल, भूपेंद्र सिंह चौहान, अनिल वर्मा, राजेश यादव, संजय दुबे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

महिला आरक्षण और परिसीमन पर सियासी संग्राम, कांग्रेस का केंद्र पर निशाना

नवभारत न्यूज़

खंडवा। महिला आरक्षण और परिसीमन के मुद्दे पर सियासत तेज हो गई है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष (शहर) प्रतिभा रघुवंशी ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि संविधान संशोधन विधेयक का लोकसभा में गिरना लोकतंत्र की जीत है। उन्होंने इसे परिसीमन के जरिए राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की विफलता बताया। गांधी भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में रघुवंशी ने कहा कि विपक्ष की एकजुटता से केंद्र सरकार की मंशा उजागर हो गई।

कांग्रेस प्रवक्ता प्रेमांशु जैन के अनुसार, उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महिला आरक्षण के नाम पर 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन लागू करना चाहती थी, जिससे बिना जातीय आंकड़ों के राजनीतिक समीकरण साधे जा सकें। रघुवंशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के बयानों का हवाला देते हुए कहा कि सरकार इस मुद्दे को राजनीतिक लाभ के रूप में देख रही है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि 2023 में सर्वसम्मति से पारित महिला आरक्षण बिल को अब तक लागू क्यों नहीं किया गया।कांग्रेस ने मांग की कि महिला आरक्षण को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए और लोकसभा की 543 सीटों में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही ओबीसी महिलाओं को उनकी आबादी के अनुपात में आरक्षण देने की भी बात कही गई। कांग्रेस ने महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर सरकार की संवेदनशीलता पर भी सवाल उठाए। इस दौरान कई कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया पर आचार्य विभवसागरजी का मंगल प्रवेश

नवभारत न्यूज़

खंडवा। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर आचार्य 108 श्री विभवसागर जी ससंघ का खंडवा में भव्य मंगल आगमन हुआ। आचार्य संघ ने कोरगला से लगभग 8 किमी विहार कर रविवार सुबह मानसिंग मिल चौराहे से नगर में प्रवेश किया।

शोभायात्रा विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए जैन धर्मशाला पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने भव्य स्वागत किया।पोरवाड़ दिगम्बर जैन धर्मशाला में आयोजित प्रवचन में आचार्य श्री ने कहा कि मनुष्य जीवन का उद्देश्य आत्मशुद्धि और मोक्ष प्राप्ति है, जिसे सत्य, अहिंसा, त्याग और तप के मार्ग पर चलकर ही पाया जा सकता है। उन्होंने अक्षय तृतीया को अनंत पुण्य का प्रतीक बताते हुए दान, सेवा और करुणा का महत्व समझाया।प्रातः आहारचर्या संपन्न हुई, जिसमें कई परिवारों को आहार कराने का सौभाग्य मिला। दिनभर कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।आचार्य संघ वर्तमान में सराफा स्थित जैन धर्मशाला में विराजमान है, जहां प्रतिदिन प्रवचन, आहार विधि, धार्मिक कक्षा और गुरु भक्ति आरती का आयोजन होगा। समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की गई है।

एक नजर में ▶ सपोर्ट करो, नहीं तो यहीं कब्र खोद दूंगा

खंडवा में वन अफसर की धमकी का वीडियो वायरल

नवभारत न्यूज

खंडवा। मांधाता विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नरलाय में वन विभाग की कार्रवाई के दौरान बड़ा विवाद खड़ा हो गया। वन भूमि से अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम और ग्रामीणों के बीच तीखी झड़प हुई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

बताया जा रहा है कि कार्रवाई के दौरान फॉरेस्ट रेंजर शंकर चौहान और ग्रामीण आमने-सामने आ गए। इसी बीच रेंजर का एक कथित वीडियो सामने आया है, जिसमें वे ग्रामीणों को धमकाते हुए कहते सुनाई दे रहे हैं-सपोर्ट करो, नहीं तो यहीं कब्र खोद दूंगा। इस बयान के सामने आने के बाद मामला और तूल पकड़ गया है।

चार पीढ़ियों का दावा, उजड़ने का डर-

ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले चार पीढ़ियों से इस जमीन पर खेती कर रहे हैं और यहीं उनके घर भी बने हुए हैं। कार्रवाई के दौरान महिलाएं और बच्चे भी विरोध में उतर आए। लोगों ने आरोप लगाया कि बिना उचित पुनर्वास और सूचना के उन्हें बेदखल किया जा रहा है।

जमीन को लेकर अलग-अलग दावे-

जानकारी के अनुसार, करीब 23 एकड़ जमीन चार साल पहले वन विभाग को सौंपी गई थी, जिस पर अब विभाग कब्जा लेने पहुंचा।

वहीं ग्रामीणों का दावा है कि वे करीब 85 एकड़ जमीन पर वर्षों से खेती कर रहे हैं और यह उनका पुश्तैनी हक है। गांव के करीब 15-20 परिवार इस विवाद से प्रभावित बताए जा रहे हैं।

हंगामे के बीच बढ़ा तनाव -

कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी हंगामा हुआ और हालात तनावपूर्ण बन गए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी जमीन छीनी गई तो वे आंदोलन तेज करेंगे।

प्रशासन पर उठे सवाल-

इस पूरे मामले में अब वन विभाग की कार्यशैली और अधिकारियों के व्यवहार पर सवाल उठ रहे हैं। वायरल वीडियो के बाद उच्च स्तर पर जांच की मांग भी तेज हो गई है।